A–340

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BASL–101

नाटक, अलंकार एवं छन्द

Bachelor of Arts (BA)

1st Year Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अधोलिखित श्लोक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

शुश्रूषस्व गुरून् कुरू प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने,
भर्तुर्विप्रकृताऽपि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः।
भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी,
यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः॥

2. महाकवि कालिदस का जीवन परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का वर्णन कीजिए।

3. यमक और व्यतिरेक अलंकारों के लक्षण लिखकर उदाहरण सहित समझाइए।

4. रूपक व विशेषोक्ति अलंकारों के उदाहरण सहित लक्षण लिखिए।

5. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर नायक ''दुष्यन्त'' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ''अनुष्टुप्'' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

2. ''अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र'' इस उक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

3. ''अनुप्रास'' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

4. ''अतिशयोक्ति'' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

5. ''वसन्ततिलका'' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

6. नायिका ''शकुन्तला'' का चरित्र चित्रण कीजिए।

7. टिप्पणी लिखिए–''अर्थो हि कन्या परकीय एव''

8. टिप्पणी लिखिए–अतिस्नेहः पापशंकी।

****